an>

Title: Need to take steps for proper implementation of centrally sponsored schemes.

साध्वी सावित्री बाई फूले (बहराइच) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं।

अध्यक्ष महोदया, आपका ध्यान भारत सरकार द्वारा लागू की गयी योजनाओं की तरफ आकर्षित करना चाहती हूं। भारत सरकार योजना बनाकर देश के उन तमाम उपेक्षित समाज को आगे बढ़ाने, उनका विकास करने का कार्य करना चाहती हूं। किन्तु, इन योजनाओं का लाभ अधिकतर पात्र व्यक्तियों को नहीं मिल पा रहा है। केन्द्र सरकार से योजना चलती है, राज्य सरकार तक जाती है। राज्य सरकार उसे जनपदों में भेजती है। जनपद ग्राम पंचायत को भेजते हैं। ग्राम पंचायत में जैसे ही योजना पहुंचती है, लूट-खसोट शुरू हो जाते हैं - चाहे वह शौचालय बनाने का कार्य हो, चाहे मनरेगा का कार्य हो, चाहे वह आवास बनाने के कार्य हों, ग्रामीण अंचल में कुल 30औ ही पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ मिल पा रहा है।

महोदया, मनरेगा द्वारा जो कार्य कराया गया है, वह सिर्फ कागज़ पर कराया गया है। मौके पर उक्त कार्यों का पता नहीं है। ग्राम प्रधान तथा पंचायत अधिकारी के सांठ-गांठ से धन निकाल कर हज़म कर लिया जाता है। मैं अपने संसदीय क्षेत्र बहराइच की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं।

माननीय अध्यक्ष : सावित्री जी, पूरा पढ़ने का समय नहीं है। ठीक है, मैं समझ गयी। इसका पालन हो जाना चाहिए।